साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-46 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

सीएम ने शिक्षकों को किया सम्मानित

सीएम बोले- राम-कृष्ण के उत्कृष्ट प्रसंगों को कर्मकांड में डाला, ये दुर्भाग्य की बात

विश्वास का तीर

भोपाल के प्रशासन अकादमी में सीएम डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेश के 54 लाख स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म के लिए 324 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने 14 शिक्षकों को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान भी प्रदान किए। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, एसीएस जेएन कंसोटिया, लोक शिक्षण आयुक्त शिल्पा गुप्ता, स्कूल शिक्षा सचिव संजय गोयल भी मौजूद रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री बोले- शिक्षा व्यवस्था में अतिथि शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान

स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी मुझे मिली और पिछले 9- 10 महीनों में हमने यह प्रयास किया कि चलती हुई शिक्षा व्यवस्था को बगैर कोई छेड़छाड़ किए बेहतर परिणाम व्यवस्था, बेहतर संसाधन और बेहतर परिवेश देने का प्रयास किया। बच्चों की परफॉर्मेंस श्रेष्ठतम करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हम लोगों ने पूरे प्रदेश में 36 हजार शिक्षकों का उच्च पद पर प्रभार में प्रमोशन किया है। या फिर अतिशेष में उन्हें व्यवस्थित करने का प्रयास किया। हमारे मप्र की शिक्षण व्यवस्था में अतिथि शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। लगभग 74 हजार अतिथि शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था में जोड़ने का काम किया है। उनकी भागीदारी हमारी व्यवस्था में बड़ी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे हमारे बच्चों का भविष्य गढ़ने में अपना योगदान दे रहे हैं।

सीएम बोले- राम-कृष्ण के जीवन के उत्कृष्ट प्रंसगों को माइथोलॉजी में डालना दुर्भाग्यपूर्ण

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा, हमें जब-जब चुनौती मिलती है तो हमारी शिक्षा परंपरा की भूमिका आती है। विद्यालय में दी गई शिक्षा और आदर्श वातावरण की भूमिका आती है। इसलिए हमारे दुश्मन सदैव उस बात को जानते

हैं जिसके कारण से हम इन कष्टों से भी निकल कर आते हैं। पहले जब हमारे ऊपर आक्रमण हुए तो उन्होंने तक्षशिला को जलाया, नालंदा को जलाया हमारे विश्वविद्यालयों पर आक्रमण किया। ये 2000 साल पहले हुआ और 200 साल पहले भी हुआ। जब लॉर्ड मैकाले हमारे आए तो उन्होंने सारी शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त किया। इसमें - उसमें कोई अंतर नहीं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा नीति 2020 लेकर आए तो उन्होंने कहा पाठ्यक्रम के अंदर कौन सा विषय होना चाहिए? जो गौरवशाली अतीत पर गर्व कर सके। वह विषय होना चाहिए। इसलिए उसको काल के प्रवाह में पता नहीं क्या-क्या कहते थे, भगवान राम और कृष्ण के जीवन के प्रसंगों को लेकर केवल उनको कर्मकांड की माइथोलॉजी में डाल देना ये दुर्भाग्य की बात है।

भारत ताकतवर बनना चाहता है लेकिन, दुनिया में शांति के लिए

सीएम ने कहा- हमारे लिए तो यह भारत का विश्व गुरु बनने का सपना है। कोई धनी बनना चाहता है, कोई ताकत वाला बनना चाहता, लेकिन भारत ने अपना मार्ग कौन सा खोजा है? भारत ने गुरु का मार्ग खोजा। गुरु अर्थात अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाली भावना। जिसको वेद वाक्य में कहा गया सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया..... यह जो उदाक्त भाव है जिसमें हम दुनियां के अंदर अज्ञानता को मिटाना चाहते हैं। अच्छाई और मानवता को स्थापित करना चाहते हैं।। लेकिन ये भावना आती कहां से है? ये आती है शिक्षा और ज्ञान के माध्यम से। ये गुरु परंपरा से आती है। मुख्यमंत्री ने कहा- हमें आईने की तरह सब कुछ साफ दिख रहा है। एक-एक करके पहले कही गई वह सारी बातें स्थापित होती जा रही थी, इसके कारण से भारत दुनिया में जाना जाता है। भारत दुनियां में संपन्न बनना चाहता है। लेकिन संपन्निता में स्वार्थी नहीं बनना चाहता हैं। वो उदारता के साथ अपनी अच्छाईयों को बांटना चाहता है। वो ताकतवर बनना चाहता है लेकिन शांति के लिए बनना चाहता है। उसकी दिशा एकमात्र है कि हम शांति की स्थापना करने में समर्थ हों। इसलिए हमारे देवता एक हाथ में शास्त्र और दूसरे हाथ में शस्त्र रखते हैं।

राज्यपाल बोले- माता पिता के बाद जीवन में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान

राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने कार्यक्रम के शुरुआत में कहा कि मप्र के विकास के लिए कभी हवाई जहाज उड़ाते हैं, कभी उद्योग बटोरने के लिए जाते हैं। ऐसे मुख्यमंत्री मप्र को मिले हैं। हमारे सामने डॉ राधाकृष्णन जी का फोटो रखा है। उनसे कभी पूछा कि जन्मदिन मनाना है। तो उन्होंने कहा कि जन्मदिन मनाना है तो शिक्षकों का जन्मदिन मनाओं, यानि जन्मदिन मनाओं तो शिक्षकों को सम्मान मिले। राष्ट्रपति अब्दुल कलाम से पूछा कि आपको जानना है तो किस पद से जानें वो साइंटिस्ट और शिक्षक भी थे। तो उन्होंने कहा मुझे जानना है तो मुझे शिक्षक के रुप में जानो। ऐसे शिक्षकों की जिम्मेदारी निभाने वाले शिक्षकों का आज सम्मान हुआ। ऐसे सभी शिक्षकों को मेरी ओर से बधाई। शिक्षक की महत्ता को ऐसे समझा जा सकता है कि माता पिता बच्चों को जन्म और संस्कार देते हैं जबकि शिक्षक उनको ज्ञान संस्कार और जीवन मूल्यों के साथ शिक्षित प्रशिक्षित कर आदर्श नागरिक बनाता है।

शिक्षकों को सरकार की ओर से दी गई भेंट

शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 54 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 324 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से ट्रांसफर किए गए।

राष्ट्रीय इंस्पायर अवॉर्ड प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उद्योतगढ़ (भिंड) के कक्षा 10वीं के छात्र दीपक वर्मा को 25 हजार रुपए की सम्मान निधि दी गई।

इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर पांचवें स्थान पर रहीं बालाघाट जिले के शासकीय उत्कृष्ट उमावि लांजी की छात्रा शिरोमणि दहीकर और 31वां स्थान प्राप्त करने वाले भोपाल जिले के कक्षा 7वीं के विद्यार्थी आरुष नाग को 15-15 हजार रुपए की विशेष सम्मान निधि दी गई। उनके गाइड शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

भोपाल में रेलवे और सांसदों की बैठक

यात्रियों की सुविधा के लिए रखी मांग; मुंबई के लिए नई ट्रेन चलाने दिया सुझाव

विश्वास का तीर

शुक्रवार पश्चिम मध्य रेलवे जोन के रेल मंडल की बैठक सांसदों के साथ भोपाल के ताज होटल में आयोजित की गई। प्रदेश के 7 सांसद जिसमें ग्वालियर से भारत सिंह कुशवाहा, भोपाल आलोक शर्मा, खंडवा ज्ञानेश्वर पाटिल, देवास महेंद्र सिंह सोलंकी, नर्मदापुरम दर्शन सिंह चौधरी, सागर डॉक्टर लता वानखेड़े और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया शामिल रहीं। वहीं रेलवे की तरफ से पश्चिम मध्य रेलवे की जीएम शोभना बांदोपाध्याय, डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी, सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया मौजूद रहें।

निशातपुरा से मुंबई के लिए नई ट्रेन चलाने का सुझाव

सांसद आलोक शर्मा ने बताया कि हमने यहां पर कई तरह की मांगे और सुझाव रखे हैं। मालवा एक्सप्रेस को भोपाल की बजाय निशातपुरा स्टेशन से चलाने की मांग की है, इसके अलावा निशातपुरा स्टेशन को लेकर भी हमारी चर्चा हुई है, जल्द ही इसे भोपाल की जनता के लिए शुरू किया जाएगा। इसके अलावा यहां से महाराष्ट्र या मुंबई के लिए एक ऑप्शनल ट्रेन चलाने की बात भी की है। यह ट्रेन जो संत हिरदाराम नगर, सीहोर, सूरत के रास्ते महाराष्ट्र जाएगी क्योंकि लगातार हमारे पास सुझाव आ रहे थे। मुंबई जाने के लिए इटारसी-खंडवा होते हुए जाना पड़ता था। कई बार इस रूट पर मेंटेनेंस कार्य चलते हैं। जिससे ट्रेन भी लेट होती हैं। इस तरह से एक नया वैकल्पिक रूट भी मुंबई के लिए भोपाल से तैयार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही मैं रेलवे अधिकारियों के साथ निशातपुरा स्टेशन का निरीक्षण करूंगा।

बैरसिया रेलवे लाइन के सर्वे पर भी हुई बात

आलोक शर्मा ने कहा कि लंबे समय से बैरसिया के लिए रेलवे लाइन की बात चल रही है, हमारी इस संबंध में भी रेलवे से चर्चा हुई है। बैरसिया रेलवे लाइन का सर्वे जल्द से जल्द करवाए, आलोक शर्मा ने बताया कि हमें उम्मीद है कि रेलवे इस सर्वे का काम जल्द शुरू करेगा। वहीं भोपाल से लखनऊ के लिए एक चेयर कार वंदे भारत और भोपाल से बिहार के लिए भी एक स्लीपर वंदे भारत का सुझाव भी मैंने दिया है। वहीं सीहोर से सीधे प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों को भी सीहोर हॉल्ट की बात भी रखी है।

भोपाल एक्सप्रेस को मथुरा में मिले हॉल्ट, पुणे के लिए रोजाना ट्रेन शुरू

आलोक शर्मा ने बताया कि मथुरा जाने वाले यात्रियों के लिए भोपाल एक्सप्रेस को मथुरा पर हॉल्ट देने की बात हमने कही है, इसके लिए हम प्रयागराज भी जाएंगे। वहां के रेलवे अधिकारियों से इस सबंध में भी चर्चा करेंगे। वहीं पुणे, बेंगलुरु के लिए भी रोजाना एक ट्रेन चलाने को लेकर सुझाव दिया है क्योंकि जो ट्रेन पुणे जाती है वह वीकली ट्रेन है। हमारे यहां से बहुत सारे नौजवान पुणे में काम करते हैं, उनको आने जाने में अधिकतर सीट उपलब्ध नहीं होती है। रोजाना ट्रेन चलेगी तो यह समस्या दूर हो जाएगी। वहीं भोपाल से इटारसी मैमू ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भी हमने रखा है।देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने शाजापुर से 2 नई ट्रेनों की मांग की ।

शाजापुर से दो नई ट्रेन की रखी मांग

देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि मैंने शाजापुर से दो नई ट्रेन चलाने की मांग रखी है, इसमें एक ट्रेन मुजफ्फरपुर और दूसरी बांद्रा टर्मिनल के लिए हो। अमृत भारत स्टेशन का

काम भी बहुत तेजी के साथ चल रहा है, इसका निर्माण कार्य बहुत गुणवत्ता पूर्ण है। अमृत भारत योजना प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण योजना है।

सांसदों ने यात्रियों की सुविधा के लिए दिये सुझाव

सांसद नर्मदापुरम दर्शन सिंह चौधरी ने बनापुरा में कामायनी एक्सप्रेस, गोवा एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस के ठहराव देने और सिवनी मालवा क्षेत्र में रेल अंडरब्रिज या ओवरब्रिज बनाने का सुझाव दिया है। वही सांसद सागर डॉ. लता वानखेड़े ने सिरोंज-लटेरी-कुरवाई-समशाबाद नई रेल लाइन बनाने और भोपाल से सागर के बीच वंदे मेट्रो चलाने का सुझाव दिया। साथ ही सांसद ग्वालियर भारत सिंह कुशवाहा ने ग्वालियर से गुना के मध्य मेमू ट्रेन के फेरे बढ़ाने एवं गाड़ी संख्या 14317 इंदौर-देहरादून एक्सप्रेस का मोहना स्टेशन पर हाल्ट प्रदान करने की बात रखी। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारौलिया ने बनखेड़ी में ओल नदी के पास रोड ओवरब्रिज बनाने और नर्मदापुरम स्टेशन पर कई एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की। बैठक में सांसद दुर्गादास उइके के प्रतिनिधि, सांसद राजगढ़ रोडमल नागर के प्रतिनिधि तथा दिग्विजय सिंह के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

4870 करोड़ रुपये की 17 परियोजना का लोकार्पण

महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने बताया कि वर्ष 2024 के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे की 4870 करोड़ रुपये लागत की 17 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। इन परियोजनाओं में बीना-कटनी तिहरीकरण, इटारसी ग्रेड सेपरेटर, पोवारखेड़ा-जुझारपुर फ्लाईओवर, बरखेड़ा-बुदनी-इटारसी रेलखंड का तिहरीकरण, रामगंजमंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत निशातपुरा-संत हिरदाराम नगर (9 किमी) एवं अकलेरा-घटोली (15 किमी) नई रेल लाइन, बुदनी गुड्स शेड, कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण, और अमेठा स्थित गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल जैसी परियोजनाएँ शामिल हैं।

शॉटगन से काले हिरण का शिकार, आर-पार हो गई गोली

विश्वास का तीर

भोपाल से 40 किलोमीटर दूर बरखेड़ा सालम में ब्लैक बक यानी काले हिरण का शॉट गन से गोली मारकर शिकार किया गया था। गर्दन के नीचे गोली आर-पार हो गई थी। इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हुआ है। इधर, वन विभाग शिकारियों की तलाश में जुटा है। कई संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है। वहीं, वन विभाग पुलिस की भी मदद लेगा। शुक्रवार को अब तक की जांच की रिपोर्ट भी डीएफओ ने मंगाई है। 23 अक्टूबर, मंगलवार को बरखेड़ा सालम में काले हिरण का 15 से 20 घंटे पुराना शव एक खेत में पड़ा मिला था। जेल पहाड़ी स्थित पशु चिकित्सालय में डॉ. संगीता धमीजा ने शव का पोस्टमॉर्टम किया था। इसके बाद वन विभाग ने शव का दाह संस्कार किया। हिरण की गर्दन के पास गहरा घाव था। इसके अलावा शरीर में कहीं भी चोट के निशान नहीं थे। इसी दिन वन विभाग ने शिकार की पुष्टि करते हुए अज्ञात शिकारी पर केस दर्ज किया था। डॉ. धमीजा ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी दे दी है। इसमें स्पष्ट हो गया कि काले हिरण का शिकार गोली मारकर किया गया था।

जिस जगह शिकार, वन खुला क्षेत्र

डीएफओ लोकप्रिय भारती ने बताया कि जिस जगह काले हिरण का शिकार हुआ, वन खुला क्षेत्र है। आमतौर पर काले हिरण खुले इलाकों में ही विचरण करते हैं। यही वजह है कि शिकारियों को शिकार करने का मौका मिल गया।

वन विभाग ने गश्त बढ़ाई

शिकार के मामले के बाद वन विभाग ने गश्त बढ़ा दी है। खासकर उन जगहों पर 24 घंटे गश्त की जा रही है, जहां काले हिरणों का मूवमेंट रहता है।

7 महीने में 4 हिरणों का हो चुका शिकार

पिछले 7 महीने में ही भोपाल में 4 हिरणों का शिकार हो चुका है। इससे पहले बिशनखेड़ी स्थित भोज वेटलैंड में कुत्तों ने 5 महीने पहले जहां काले हिरण को नोंचा था, उसके 200 मीटर के दायरे में 2 महीने के अंदर 2 और हिरणों का शिकार हुआ था। यानी, इस जगह पर 3 हिरणों का शिकार हो चुका है। बावजूद शिकार रोकने के प्रयास नहीं हुए और न ही कुत्तों को खदेड़ा जा सका। जिस जगह हिरण का शव मिला, उसके पास ही शराब, कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें और नमकीन के रैपर भी मिले थे। इसके बाद एक और मामला सामने आया था। हालांकि, इसमें भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गुना में 5 हिरण मारे, पुलिसवालों की हत्या भी

मई 2022 में प्रदेश के गुना में शिकारियों ने अपनी भतीजी की शादी में काले हिरण का गोश्त परोसने के खातिर न सिर्फ 5 हिरण मारे बल्कि तीन पुलिसवालों की भी हत्या कर दी थी। यह मामला काफी सुर्खियों में रहा था।

अवैध गैस रिफिलिंग सेंटर पर दबिश, 26 सिलेंडर जब्त

भोपाल में खाद्य विभाग की कार्रवाई; 14 डेयरी, होटल-मिठाई दुकानों पर सैंपलिंग

विश्वास का तीर

भोपाल के माता मंदिर स्थित एक गैस रिफिलिंग सेंटर समेत चार जगहों पर शुक्रवार को दबिश देकर खाद्य विभाग ने कुल 26 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। वहीं, खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग की टीम खाद्य सामग्री जांचने के लिए 14 डेयरी, होटल और मिठाई की दुकानों पर पहुंची। एक जगह से 50 किलो मावा भी जब्त किया गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया, शुक्रवार को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुसुम अहिरवार, पुष्पराज पाटिल, सनद शुक्ला, मोहित मेघवंशी और मयंक द्विवेदी ने ग्राम काना सैय्या, माता मंदिर चौराहा, नरेला शंकरी एवं रेलवे स्टेशन भोपाल स्थित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर गैस सिलेंडर जब्त किए।

गैस रिफिलिंग सेंटर पर पहले भी हो चुकी कार्रवाई

माता मंदिर प्लेटिनम प्लाजा के सामने संचालित अवैध रिफलिंग सेंटर प्रोपराइटर मुजफ?फर खान से 2 भरे, दो आंशिक खाली सिलेंडर, गैस रिफिलिंग की मशीन और एक तौला कांटा जब्त किया। यहां पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। बावजूद यह अवैध तरीके से संचालित हो रहा था। नरेला शंकरी जेके रोड स्थित सांईराम गैस चूल्हा सेल्स प्रोपराइटर निलेश साहू से 4 नग, काना सैय्या स्थित मकान मालिक महेंद्र सिंह ठाकुर से 16 नग, बृजवासी भोजनालय प्रोपराइटर अंकित वाजपेयी से 2 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। पंचनामा भी बनाया गया।

इन दुकानों पर भी कार्रवाई की

शुक्रवार को ही पुराने भोपाल, होशंगाबाद रोड, शाहजहांनाबाद, बैरसिया, कोहेफिजा, जहांगीराबाद, करोंद और मिसरोद में 14 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। बैरसिया स्थित सांची पार्लर एवं बैकरी से मावा और पनीर के नमूने लिए गए। वहीं, 50 किलो मावा जब्त किया।

यहां भी कार्रवाई

मिसरोद स्थित कृष्णा स्वीट्स, कोहेफिजा स्थित राजू नमकीन, जहांगीराबाद स्थित अग्रवाल डेयरी, आकाश स्वीट्स, होशंगाबाद रोड स्थित गणपति बीकानेर, राजस्थान स्वीट्स, पुराना भोपाल स्थित सेंट्रल इंडिया डेयरी, स्टैंडर्ड डेयरी, अशोक होटल, आरके नमकीन और करोंद स्थित भारत डेयरी से भी खाद्य सामग्री के नमूने लिए गए।

पर्यटन-संस्कृति को बढ़ावा देंगे एमपी और फ्रांस

विश्वास का तीर

मध्यप्रदेश और फ्रांस पर्यटन और संस्कृति को मिलकर बढ़ावा देंगे। शुक्रवार को फ्रांस के महावाणिज्य दूत जो. मार्क सेरे शार्ले भोपाल पहुंचे और टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी से मुलाकात की। फिल्म प्रमोशन, सांस्कृतिक आयोजन और टूरिस्ट गाइड को लेकर बातचीत की गई। मुंबई में फ्रांस के महावाणिज्य दूत शार्ले ने कहा कि, फ्रांस एम्बैसी मप्र पर्यटन विभाग के साथ मिलकर संस्कृति एवं पर्यटन के क्षेत्र में कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगे। उनके साथ ग्रिगोर त्रिमोरे, एमिली जैकमॉ, संस्कृति विभाग के निदेशक एनपी नामदेव सहित टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी मौजूद थे। चर्चा के दौरान प्रदेश के गाइड को फ्रेंच भाषा में पारंगत बनाना, प्रदेश के सांस्कृतिक आयोजनों में फ्रांस के कलाकारों को प्रस्तुति का मौका देना, फ्रांस में मप्र के पर्यटन गंतव्यों को प्रमुखता से प्रचारित देने जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई।

गाइडों को फ्रेंच भाषा की ट्रेनिंग देंगे

अपर प्रबंध संचालक मुखर्जी ने बताया, मध्यप्रदेश के गाइडों को फ्रांस की एम्बेसी की सहायता से फ्रेंच भाषा में प्रशिक्षित किया जाएगा। ताकि वे फ्रांसीसी पर्यटकों को सहजता से गाइड कर सकें और उनकी पर्यटन यात्रा को सुगम बना सकें। टूरिज्म बोर्ड द्वारा फिलहाल 19 गाइड को फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण दिया गया है। अब इसके एक कदम आगे बढ़ते हुए पर्यटन विभाग के होटल्स एवं रिसोर्ट्स में कार्यरत फ्रंट ऑफिस एक्जिक्यूटिव, रिसेप्शनिस्ट सहित अन्य हितग्राहियों को फ्रेंच भाषा में पारंगत बनाने के लिए एम्बेसी के साथ कार्य किया जाएगा। मुखर्जी ने फ्रांस के फिल्म निर्माता-निर्देशकों को मप्र में फिल्म शूटिंग के लिए आमंत्रित किया।

फ्रांस के कलाकारों को आमंत्रित करेंगे

फ्रांस के कलाकारों को मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले प्रमुख आयोजनों में आमंत्रित किया जाएगा। वहीं मध्यप्रदेश के कलाकार भी फ्रांस में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हिस्सा बनेंगे।

आगामी तानसेन समारोह के 100वें संस्करण में फ्रांस के कलाकार विशेष प्रस्तुतियां देंगे, जो समारोह में एक नया और अनूठा आकर्षण जोड़ेंगी। उन्होंने कहा, फ्रांस के प्रमुख टूर ऑपरेटर्स और ट्रेवल एजेंट्स को मध्यप्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आमंत्रित किया जाएगा। इसके माध्यम से फ्रांस से आने वाले पर्यटकों को मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की विविधता और आकर्षण से रूबरू कराया जाएगा। जिससे फ्रेंच टूरिज्म में वृद्धि की संभावनाएं प्रबल होंगी।

आलेख

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है।

संपादकीय

आखिर क्यों झुकता दिख रहा चीन

लद्दाख सीमा पर गश्ती को लेकर भारत और चीन के बीच सहमति बन तो गई है, लेकिन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी। अतीत में चीन के रवैये को देखते हुए भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह कहना समीचीन ही है कि भरोसा बहाली में समय लगेगा। रूस-यूक्रेन और इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष के संदर्भ में भारत और चीन के बीच हुए इस समझौते को बेहतर परिणति ही माना जाना चाहिए। 15 और 16 जून 2020 की रात को बिना हथियारों के भारतीय सैनिकों ने लाल सेना के भले ही दांत खट्टे कर दिए, लेकिन भारतीय विपक्षी दलों ने उस मौके को उत्तेजना की राजनीति के लिए बेहतर मौके के रूप में लिया था। महज एक साल पहले ही तमिलनाडु में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की चर्चित मुलाकात का हवाला देते हुए विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की थी। उनकी मंशा चीन के साथ सीधा युद्ध करने के लिए सरकार को उकसाना रहा। बेशक 1962 जैसी स्थिति नहीं रही। तब से लेकर भारत ने सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर लंबा सफर तय कर लिया है। वहीं चीन इस अवधि में दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आर्थिक मोर्चे के लिहाज से देखें तो भारत पांचवें नंबर पर है और सैनिक ताकत के लिहाज से देखें तो चौथे नंबर है। चीन दुनिया के तीसरे नंबर की सैन्य शक्ति है। ऐसे में सीधी सैनिक कार्रवाई की अपनी सीमाएं थीं। इसलिए विपक्षी दलों के तमाम उलाहनों और उकसावों के बावजूद मोदी सरकार ने कूटनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर चीन को घेरना शुरू किया। इसका मतलब यह नहीं कि सीमा पर सैन्य चौकसी कम की गई या सेना को कार्रवाई की छूट नहीं दी गई। गलवान के बाद जब भी जरूरत पड़ी, आधुनिक हथियार विहीन हमारे सैनिकों ने लाल सेना को आगे बढ़ने नहीं दिया। गलवान कांड के बाद भारत ने चीन के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए। उसमें सबसे पहला कदम यह रहा कि चीन के लिए सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। गलवान कांड के बाद से ही पड़ोसी होने के बावजूद दोनों देशों के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। इस बीच चीन को आर्थिक मंदी का भी सामना करना पड़ा है। चीन को लगता है कि अगर भारत के साथ उसके कारोबारी रिश्ते बढ़ेंगे, तभी वह आर्थिक मोर्चे पर आगे रह सकता है। इसके लिए सीधी उड़ानें एक बड़ा जरिया हो सकती हैं। इसलिए सीमा पर विवाद के बावजूद वह भारत पर गाहे-बगाहे सीधी उड़ान सेवा बहाल करने के लिए कहता रहा है। वह यात्रियों के लिए सीधी उड़ान के साथ ही उनकी संख्या बढ़ाने पर भी जोर देता रहा है।

दोस्त के साथ 42 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

ऑटो में सवारी बनकर पहुंची पुलिस ने दबोचा, पहले कई बार दे चुका है चकमा

विश्वास का तीर

ग्वालियर में अपने ही दोस्त को धोखा देकर 42 लाख रुपए ठग कर फरार हुए आरोपी को महाराजपुरा थाना पुलिस ने शताब्दीपुरम में सिंधिया स्टैच्यू के पास से गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरोपी कई बार चकमा दे चुका था। इस वजह से पुलिस के दो सिपाही सिविल ड्रेस में ऑटो में सवार होकर आरोपी के घर तक पहुंचे। वह पुलिस को मोहल्ले में आया कोई मेहमान समझता रहा, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

आरोपी को चकमा देने के लिए ऑटो में सवार हुए

महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि धोखाधड़ी में फरार आरोपी अनुराग पुत्र रंजीत चौहान निवासी शताब्दीपुरम अपने घर के पास सिंधिया स्टैच्यू के पास देखा गया है। इसका पता चलते ही महाराजपुरा थाना की एक टीम को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पहुंचाया गया। आरोपी को पकड़ने के लिए पहुंची पुलिस उसे चकमा देने के लिए ऑटो में सवार हुई। इसके बाद जब उसके पास पहुंची तो पुलिस को देखते ही उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस पहले से ही अलर्ट थी और उसे पकड़ लिया।

आरोपी कई बार पुलिस को दे चुका था चकमा

इससे पहले भी कई बार पुलिस धोखाधड़ी के आरोपी को पकड़ने लिए पहुंची थी, लेकिन हर बार वह पुलिस को चकमा देकर भाग जाता था। इसलिए इस बार पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए अलग योजना बनाई। जिस समय पुलिस आरोपी के घर तक पहुंची तो वह पत्नी को रूटीन चेकअप के लिए ऑटो ही तलाश रहा था। तभी पुलिस ऑटो में सवार होकर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया।

रोजगार के लिए दोस्त से लिए थे 42 लाख उधार

पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि उसने अपने दोस्त सत्यभान सिंह राजावत से काम में आ रही परेशानियों को दूर करने के नाम पर 42 लाख रुपए उधार लिए थे। रुपए हाथ में आते ही वह फरार हो गया था। फरार होने के बाद से ही वह यूपी में रह रहा था और अभी वह गर्भवती पत्नी को दिखाने के लिए ग्वालियर आया था।

इस मामले में सीएसपी नागेन्द्र सिंह ने बताया कि धोखाधड़ी में फरार आरोपी को महाराजपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने इसी तरह से कितने लोगों को ठगा था।

शिवराज के बेटे से बोले दिग्विजय-अपने पिता से सीखो

कार्तिकेय ने कहा था- गलती से कांग्रेस का विधायक आ गया तो एक ईंट नहीं लगेगी

विश्वास का तीर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के एक भाषण के वीडियो को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उन्हें अपने पिता से सीखने की नसीहत दी है। उन्होंने कार्तिकेय से कहा कि कुछ भी भाषण न दें। अपने पिता शिवराज सिंह चौहान से सीखो। दिग्विजय की नसीहत पर जवाब देते हुए कार्तिकेय ने कहा कि सीखना तो हम आपसे भी चाहते थे। लेकिन आपने दस साल में ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे हम सीख सके। दरअसल, बुधनी विधानसभा उपचुनाव के लिए एक सभा को संबोधित करते हुए कार्तिकेय सिंह चौहान का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वे कह रहे हैं कि अगर गलती से भी यहां उन्नीस-बीस होता है, कांग्रेस का विधायक आ जाता है तो एक ईंट भी किसी गांव में नहीं लगने वाली है। कांग्रेस ने कार्तिकेय सिंह के भाषण के वीडियो को लेकर कहा है कि %डर और धमकी भरे शब्दों में पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र कार्तिकेय सिंह जनता से वोट मांग रहे हैं।

कार्तिकेय सिंह चौहान का एक सभा में भाषण देते वीडियो सामने आया है। जिसमें वे कह रहे हैं - उन्नीसा-बीसा होता है, तो आप समझिए किसका नुकसान होगा। अपने पैरों पर हम क्यों कुल्हाड़ी मारे भाई। अपनी पोलिंग में गड़बड़ी करते हम क्यों अपनी इज्जत खराब करे। क्या हमको नहीं जाना हमारे मुख्यमंत्री के पास काम कराने के लिए। क्या हमको नहीं जाना आरदणीय कृषि मंत्री जी के पास काम कराने के लिए। बताइए सरपंच जी। कैसे कराएंगे आप काम। जवाब दीजिए मुझे।

दिग्विजय बोले- इस प्रकार का भाषण ना दो, पिता से सीखो

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कार्तिकेय चौहान का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा - कार्तिकेय अभी से इस प्रकार का भाषण ना दो। अपने पिता शिवराज सिंह चौहान जी से सीखो। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों मिलकर भारत निर्माण में सहयोग करते हैं। 10 साल तक मैं मुख्यमंत्री रहा, लेकिन मैंने इस प्रकार की भाषा का कभी उपयोग नहीं किया। आपके पिता गवाह हैं।

कार्तिकेय बोले, मुझे इतनी नजदीकी से देखते हैं, इसके लिए धन्यवाद

कार्तिकेय सिंह चौहान ने दिग्विजय सिंह की नसीहत के बाद उन्हें जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं सम्मानीय मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का सम्मान करता हूं। मेरे लिए तो ये बड़ी प्रसन्नता का विषय है कि आदरणीय चाचा साहब मुझे और मेरे बयानों को इतनी नजदीकी से देखते हैं। इसके लिए उनका आभार।

ग्वालियर में जमीन विवाद में दो भाइयों को मारी गोली

बदमाशों ने घर के बाहर आकर की फायरिंग; पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

विश्वास का तीर

ग्वालियर में 6 से अधिक बदमाशों ने जमीन विवाद में दो सगे भाइयों को गोली मार दी। घायल दोनों भाइयों को परिजन ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों की शिकायत पर बदमाशों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। घायलों ने हमलावर संजय गर्ग और दौलत आचार्य के नाम बताए हैं। ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र के बरुआ गांव में रहने वाले दीपक चौहान एक किसान हैं। दीपक चौहान का जमीन को लेकर संजय गर्ग और दौलत आचार्य से पुराना विवाद चला आ रहा है। शुक्रवार दोपहर को जब दीपक चौहान अपने घर के बाहर अपने भाई विकास चौहान के साथ खड़े हुए थे। तभी हथियार से लैस 6-7 बदमाश वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए गोलियां चला दी। अचानक चली गोलियों से आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दीपक चौहान के पीठ और उसके भाई विकास चौहान के पैर

में गोलियों के छर्रे लगे। फिर दोनों भाइयों ने छिपकर अपनी जान बचाई। बदमाश हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए।

बदमाशों की तलाश में पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी कैमरे

गोलियों की आवाज सुनते ही अन्य परिजन घर के बाहर आए और घायल दीपक और विकास को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल डॉक्टरों ने उनकी जान खतरे से बाहर बताई है। घायल दीपक चौहान का आरोप है कि यहां फायरिंग संजय गर्ग और दौलत आचार्य ने अपने साथियों के साथ मिलकर की है। संजय गर्ग और दौलत आचार्य भू माफिया हैं। जमीन को लेकर उनसे विवाद चल रहा है और उन्होंने जान लेने की नीयत से गोलियां चलाई। फायरिंग की घटना का पता चलते ही पुलिस घटना स्थल और अस्पताल पहुंची। जहां पुलिस ने दोनों घायल भाइयों से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली और मौके से ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे खंगाले, लेकिन बदमाशों का पुलिस के हाथ अभी कोई ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज नहीं लगा है। फिलहाल पुलिस ने घायलों की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

रोजगार मेले में 173 युवाओं को मिली नौकरी

263 आवेदकों ने कराया था रजिस्ट्रेशन, 42 युवतियां चयनित

विश्वास का तीर

जिले के रोजगार कार्यालय परिसर (जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के पास) पोलो ग्राउंड में शुक्रवार को एक दिवसीय रोजगार मेला आयोजित हुआ। रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे-मोजेक वर्क स्कील, जस्ट डॉयल, बालाजी एलुबुल्ट, झेहन इण्डिया, पंचशीला आरगेनिक, अल्ट्रोज टेक्नोलॉजी शामिल हुई। इन कम्पनियों में एचआर, केमिस्ट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, मार्केटिंग, कैशियर, सुरक्षा गार्ड, टेलीकॉलर, बेक ऑफिस, ट्रेनी, हाउस कीपर, डिलेवरी बॉय, रीसैप्शनिस्ट, हेल्पर आदि पदों के लिए 173 आवेदकों का कंपनियों के प्रतिनिधि द्वारा साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया। रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की कक्षा आठवीं से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में उत्तीर्ण और तकनीकी योग्यता के आवेदक शामिल हुए। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक पीएस मण्डलोई ने बताया

कि रोजगार मेले में कुल 10 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन किया गया। इस रोजगार मेले में कुल 263 आवेदकों (205 युवक एवं 58 युवतियों) ने पंजीयन कराया। जिसमें से कुल 173 आवेदकों (131 युवक एवं 42 युवतियों) का प्रारंभिक रूप विभिन्न पदों के लिए चयन किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज भवन में सौजन्य भेंट की।

महाकाल मंदिर में 24 घंटे मिलेगा लड्डू प्रसाद

एटीएम जैसी मशीन लगी, देश में ऐसा पहला मंदिर जहां-क्यू आर कोड स्कैन कर ले सकेंगे प्रसादी

विश्वास का तीर

उज्जैन में बाबा महाकाल की लड्डू प्रसादी अब श्रद्धालुओं को 24 घंटे मिल सकेगी। इसके लिए महाकाल मंदिर में एटीएम जैसी मशीन लगाई जा रही है, जिसमें क्यूआरकोड स्कैन करते ही या कैश डालते ही लड्डू प्रसादी का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। फिलहाल, प्रायोगिक रूप से शुरुआत में दो मशीनें मंगवाई गई हैं, जो जल्द ही काम करना शुरू कर देंगी। यह हाईटेक सुविधा देश के किसी भी अन्य मंदिर में उपलब्ध नहीं है। श्रद्धालुओं को 100 ग्राम का पैकेट 50 रुपए, 200 ग्राम का पैकेट 100 रुपए में, 500 ग्राम का पैकेट 200 रुपए और एक किलो का पैकेट 400 रुपए में मिलेगा। महाकाल मंदिर के प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि भोपाल के एक दानदाता ने शुरुआत में दो मशीनें मंदिर में दान देने की बात कही थी। इसके बाद कोयम्बटूर की 5जी टेक्नोलॉजी नामक कंपनी को लड्डू प्रसादी पैकेट की ऑटोमैटिक मशीन का ऑर्डर दिया गया। ये मशीन अब बनकर तैयार है। दो-तीन दिनों में एक मशीन उज्जैन पहुंच सकती है, जिसे मंदिर क्षेत्र में इंस्टॉल किया जाएगा।

एटीएम मशीन की तरह करेगी काम

मंदिर में लगने वाली मशीन एटीएम की तरह काम करेगी। श्रद्धालुओं को प्रसाद के लिए कतार में नहीं लगना पड़ेगा। प्रसादी पैकेट निकालने के लिए क्यूआरकोड स्कैन का विकल्प होगा। श्रद्धालु मोबाइल से ही पेमेंट कर 24 घंटे लड्डू प्रसादी प्राप्त कर सकेंगे।

150 पैकेट एक बार में रखे जा सकेंगे

प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि मशीन आने के बाद इसे बैंक से कनेक्ट किया जाएगा। इसमें 100 ग्राम से लेकर 500 ग्राम तक के पैकेट रखे जाएंगे। जो मशीन बन रही है, उसमें 150 पैकेट एक बार में रखने की क्षमता होगी। इसके बाद मशीन को दोबारा रिफिल करना पड़ेगा। दूसरी मशीन आगामी 15 दिनों के भीतर आएगी।

महाकाल मंदिर लड्डू प्रसाद की डिमांड देश भर में

महाकालेश्वर मंदिर समिति द्वारा श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद (शुद्ध घी और बेसन से निर्मित) उपलब्ध कराया जाता है, जिसकी मांग न केवल देश में बल्कि विदेशों से आए भक्तों के बीच भी है। प्रतिदिन 50 से 60 क्विंटल लड्डू मंदिर समिति द्वारा बनाए जाते हैं। पर्व के दिनों में विशेष व्यवस्था की जाती है। यह लड्डू प्रसाद 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलो के पैकेट में उपलब्ध है। भगवान महाकाल का लड्डू प्रसाद 400 रुपए प्रति किलो मिलता है। महाकाल मंदिर समिति हर माह 12 हजार लड्डू प्रसादी के पैकेट प्रिंट करवाती है। फिलहाल महाकाल मंदिर में लड्डू प्रसादी के सात काउंटर हैं, जो मैन्युअल रूप से संचालित हो रहे हैं, जहां हर काउंटर पर एक-एक कर्मचारी सुबह से शाम तक प्रसाद देने के लिए नियुक्त किया गया है।

फारूक बोले- गुलमर्ग आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार

विश्वास का तीर

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग आतंकी हमले के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस चीफ फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने शुक्रवार को कहा, पाकिस्तान को हिंसा बंद करके भारत के साथ दोस्ती का रास्ता तलाशना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने की जगह अपनी दुर्दशा पर ध्यान देना चाहिए, अपनी बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। मैं पिछले 30 सालों से यह देख रहा हूं, जम्मू-कश्मीर में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। फारूक बोले, गुलमर्ग जैसे हमले तब तक होते रहेंगे जब तक भारत और पाकिस्तान दोस्ती का रास्ता नहीं खोज लेते। आप जानते हैं कि वे (आतंकवादी) कहां से आते हैं। ये तब तक नहीं रुकेगा जब तक इस परेशानी से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल जाता। दरअसल, गुरुवार की देर रात 3 से ज्यादा आतंकियों ने 18 राष्ट्रीय राइफल्स के वाहन पर हमला किया था। इसमें 2 पोर्टर और 3 जवान शहीद हो गए थे।

मैं शहीदों के परिवार से माफी मांगता हूं अब्दुल्ला ने कहा कि मैं गुलमर्ग हमले के शहीद जवानों और मृतक कुलियों को श्रद्धांजलि देता हूं। उनके परिवारों से माफी मांगता हूं। अब्दुल्ला से पूछा गया कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में हुए रिकॉर्ड मतदान से क्या पाकिस्तान हताश है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। उन्होंने कहा कि लोगों ने विधानसभा चुनावों में मतदान किया और अब विधानसभा लोगों के लिए काम करेगी। हमें उम्मीद है कि केंद्र पूर्ण राज्य का दर्जा देगा ताकि सरकार लोगों के लिए काम कर सके।

उमर अब्दुल्ला की केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मुलाकात पर फारूक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार को चलाने के लिए केंद्र के साथ समन्वय की आवश्यकता है। जब मैं मुख्यमंत्री था, तो मैं हर बार यही कहता था कि समन्वय अच्छी बात है क्योंकि सब कुछ उनके (केंद्र सरकार) पास है। फारूक ने कहा था- कश्मीर कभी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने 21 अक्टूबर को कहा था कि अगर इस्लामाबाद (पाकिस्तान) भारत के साथ दोस्ताना संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकी घटनाएं रोकनी होंगी

उन्होंने कहा था कि दोनों देशों में बातचीत कैसे हो सकती है? आप (पाकिस्तान) हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती।

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन की सेनाएं पीछे हटना शुरू

गलवान जैसी झड़प टालने के लिए अलग-अलग दिन पेट्रोलिंग करेंगी, एक-दूसरे को सूचना भी देंगी

विश्वास का तीर

भारत और चीन की सेनाएं शुक्रवार, 25 अक्टूबर से पूर्वी लद्दाख सीमा से पीछे हटना शुरू हो गई हैं। न्यूज एजेंसी हुड्ढ के मुताबिक पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग पॉइंट में दोनों सेनाओं ने अपने अस्थायी टेंट और शेड हटा लिए हैं। गाड़ियां और मिलिट्री उपकरण भी पीछे ले जाए जा रहे हैं। आर्मी के सूत्रों के मुताबिक, 28 और 29 अक्टूबर तक दोनों देश देपसांग और डेमचोक से अपनी- अपनी सेनाएं पूरी तरह हटा लेंगे। पेट्रोलिंग के लिए सीमित सैनिकों की संख्या तय की गई है। ये संख्या कितनी है, इसकी अभी जानकारी सामने नहीं आई है। देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी 18 अक्टूबर को सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी 2020 में भारत-चीन के सैनिकों के बीच गलवान झड़प के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था। करीब 4 साल बाद 21 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि इसका मकसद लद्दाख में गलवान जैसी झड़प रोकना और पहले जैसे हालात बनाना है।

गलवान घाटी-गोगरा हॉट स्प्रिंग्स पर पेट्रोलिंग पर अभी फैसला नहीं

समझौते में लद्दाख के देपसांग के तहत आने वाले 4 पॉइंट्स को लेकर सहमति बन गई है, लेकिन डेमचोक के गलवान घाटी और गोगरा हॉट स्प्रिंग्स में गश्त को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। भारतीय सेना के मुताबिक, सैनिक अब गश्त के लिए देपसांग में पेट्रोलिंग पॉइंट 10, 11, 11ए, 12 और 13 तक जा सकेंगे। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यहां पर गश्त को लेकर बाद में विचार होगा। बफर जोन यानी ऐसा इलाका जहां दोनों सेनाएं एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं आ सकतीं। ये जोन विपक्षी सेनाओं को अलग करते हैं। पीएम मोदी की ब्रिक्स यात्रा के पहले समझौता फाइनल हुआ। ब्रिक्स में मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई थी। मोदी ने यहां कहा था कि शांति कायम रखना हर हाल में जरूरी है। पूर्वी लद्दाख में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर अप्रैल 2020 की स्थिति बहाल करने के लिए चीन और भारत राजी हुए। यानी अब चीन की आर्मी उन इलाकों से हटेगी, जहां उसने अतिक्रमण किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने बताया था कि भारत-चीन के सीमावर्ती इलाकों में पेट्रोलिंग के साथ 2020 के बाद उठे मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रस्ताव तैयार हुआ है। इस पर दोनों देश कदम उठाएंगे। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे। हालात इतने खराब हो गए कि LAC पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बाद में भारत ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया था। इसमें करीब 60 चीनी जवान मारे गए थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आर्फसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636